From the session 2023-24, the textbooks are rationalised under the new National Education Policy 2020. This *Sanjiv Refresher* is Completely based on the new rationalised textbooks.

Sanjiv®

Refresher

- Solutions of all the Exercises of the Text Books
- Inclusion of Additional Important Questions
- Hindi Translation of all the Lessons of English & Sanskrit and Explanation of Hindi Poems in easy Hindi
- Inclusion of Grammar in Hindi, English and Sanskrit Subjects as per the Text Books

Class 8

Price 840.00

Sanjiv Prakashan, Jaipur

Visit us at : www.sanjivprakashan.com

All In One

Class-8

CONTENTS

ENGLISH

HONEYDEW

1. The Best Christmas Present in the World 1
   Poem No. 1
   (i) The Ant and the Cricket 14
2. The Tsunami 18
   Poem No. 2
   (ii) Geography Lesson 29
3. Glimpses of the Past 32
4. Bepin Choudhury's Lapse of Memory 39
   Poem No. 3
   (iii) The Last Bargain 55
5. The Summit Within 59
   Poem No. 4
   (iv) The School Boy 68
6. This is Jody's Fawn 72
7. A Visit to Cambridge 83
8. A Short Monsoon Diary 93
   Poem No. 5
   (v) On the Grasshopper and Cricket 103

GRAMMAR AND VOCABULARY

GRAMMAR

1. Pronoun 106
2. Adjective—Degrees of Comparison 109
3. Adverb 111
4. Word Order in a Sentence 114
5. Preposition 115
6. Tenses (Correct Form of the Verb) 118
7. Determiners 133
8. Modal Auxiliaries 137
9. Usages of has to/have to/had to 139
10. Framing Questions 139
11. Passive Voice 141
12. Reported Speech 143
13. Punctuation Marks and Capital Letters 145

VOCABULARY

1. Number 146
2. Gender 150
3. Opposites 152
4. Word Formation 154
5. One Word Substitution 157
6. Choose the Correct Word 158
7. Sound 160
8. Word Meaning 162
9. Correct Spelling 162
10. Synonyms 163
11. Dissimilar/odd words 163
12. Missing Letters 164

Road Safety 165

READING

Unseen Passages 166-171

WRITING

1. Letter Writing 172-178
2. Application Writing 178-183
3. Paragraph Writing 183-192
4. Story Writing 192-199
   Rearrange Sentences 199-202
5. Diary Writing 202-203
6. Notice Writing 203-204

Oral Examination 205-209

Useful Words of Daily Use 209-211

हिन्दी

वसंत : भाग-3

1. लाख की चूड़ियाँ (कहानी) 212
2. बस की यात्रा (व्यंग्य) 218
3. दीवानों की हस्ती (कविता) 225
4. भगवान के डाकिए (कविता) 229
5. क्या निराश हुआ जाए (निबन्ध) 232
6. यह सबसे कठिन समय नहीं (कविता) 239
7. कबीर की साखियाँ 242
8. सुदामा चरित (कविता) 247
9. जहाँ पहिया है (रिपोर्ताज) 252
10. अकबरी लोटा (कहानी) 259
11. सूरदास के पद (कविता) 265
12. पानी की कहानी (निबन्ध) 269
13. बाज और साँप (कहानी) 275

परिवेशीय सजगता, सड़क सुरक्षा एवं स्वच्छता सम्बन्धी प्रश्न 281-286

व्याकरण 287-303

1. संज्ञा, 2. सर्वनाम, 3. क्रिया, 4. विशेषण, 5. विलोम, 6. पर्यायवाची, 7. वाक्य रचना, 8. वचन, 9. उपसर्ग, 10. प्रत्यय, 11. मुहावरे

अपठित गद्यांश 306-307

रचना

1. प्रार्थना-पत्र एवं पत्र-लेखन 307-312
2. निबन्ध-लेखन 313-322
3. कहानी लेखन 323-325
4. संवाद-लेखन 325-328

हिन्दी मौखिक परीक्षा 328

संस्कृत

रुचिरा-तृतीयो भागः

मङ्गलम् 329
1. सुभाषितानि 330
2. बिलस्य वाणी न कदापि मे श्रुता 334
3. डिजीभारतम् 339
4. सदैव पुरतो निधेहि चरणम् 345
5. कण्टकेनैव कण्टकम् 349
6. गृहं शून्यं सुतां विना 355
7. भारतजनताऽहम् 361
8. संसारसागरस्य नायकाः 365
9. सप्तभगिन्यः 370
10. नीतिनवनीतम् 374
11. सावित्री बाई फुले 379
12. कः रक्षति कः रक्षितः 385
13. क्षितौ राजते भारतस्वर्णभूमिः 391
14. आर्यभटः 396

व्याकरण-ज्ञानम् 402-434

1. सन्धि, 2. उपसर्ग, 3. प्रत्यय, 4. अव्यय, 5. धातु-रूपाणि, 6. संज्ञा शब्द, 7. सर्वनाम शब्द, 8. कारकम्, 9. विशेषण-विशेष्यशब्दाः, 10. संख्याज्ञानम्

अपठितावबोधनम् एवं रचना कार्यम्

अपठित गद्यांशः 438-440

रचना-कार्यम्

1. निबन्ध-लेखनम् 440-442
2. कथालेखनम् 442-444
3. पत्र-लेखनम् 444-448
4. वाक्य-निर्माणम् एवं चित्र आधारित वर्णनम् 448-451
5. वाक्यक्रम-संयोजनम् 451-453

श्लोक-लेखनम् 453

SCIENCE

1. Crop Production and Management 454
2. Microorganisms : Friend and Foe 464
3. Coal and Petroleum 473
4. Combustion and Flame 478
5. Conservation of Plants and Animals 486
6. Reproduction in Animals 495

7. Reaching the Age of Adolescence 504
8. Force and Pressure 514
9. Friction 522
10. Sound 528
11. Chemical Effects of Electric Current 535
12. Some Natural Phenomena 542
13. Light 550

Questions Related to Road Safety and Cleanliness 560-562

MATHEMATICS

1. Rational Numbers 563
2. Linear Equations in One Variable 572
3. Understanding Quadrilaterals 578
4. Data Handling 592
5. Squares and Square Roots 605
6. Cubes and Cube Roots 622
7. Comparing Quantities 629
8. Algebraic Expressions and Identities 638
9. Mensuration 646
10. Exponents and Powers 661
11. Direct and Inverse Proportions 667
12. Factorisation 681
13. Introduction to Graphs 691

SOCIAL SCIENCE

Our Pasts-III (History)

1. Introduction: How, When and Where 701
2. From Trade to Territory The Company Establishes Power 707
3. Ruling the Countryside 714
4. Tribals, *Dikus* and The Vision of a Golden Age 721
5. When People Rebel 1857 and After 727
6. Civilising the "Native", Educating The Nation 734
7. Women, Caste and Reform 740
8. The Making of the National Movement : 1870s-1947 748

Social and Political Life-III

Unit One: The Indian Constitution and Secularism

1. The Indian Constitution 757
2. Understanding Secularism 764

Unit Two: Parliament and the Making of Laws

3. Parliament and the Making of Laws 771

Unit Three: The Judiciary

4. Judiciary 779

Unit Four: Social Justice and the Marginalised

5. Understanding Marginalisation 787
6. Confronting Marginalisation 793

Unit Five: Economic Presence of the Government

7. Public Facilities 799
8. Law and Social Justice 807

Resources and Development (Geography)

1. Resources 816
2. Land, Soil, Water, Natural Vegetation and Wildlife Resources 820
3. Agriculture 827
4. Industries 833
5. Human Resources 839

Our Rajasthan

1. Rajasthan in 18th Century 846
2. 1857 Freedom Struggle and Rajasthan 849
3. Formation of Modern Rajasthan 853
4. Population 857
5. Industries 860
6. Transport & Tourism 864
7. Development Plans 868
8. Government Efforts for Public Awareness and Social Reform 872
9. Rural and Urban Administration 878
10. Art and Culture in Rajasthan 883

Questions Related to Maps 889-896

ENGLISH—CLASS-8

HONEYDEW

1. The Best Christmas Present in the World

(विश्व का सर्वोत्तम क्रिसमस उपहार)

—Michael Morpurgo

आपके पढ़ने से पूर्व :

विश्व के इतिहास में कुछ तारीखें या कालखण्ड इतने महत्त्वपूर्ण हैं कि प्रत्येक व्यक्ति उन्हें जानता है और याद करता है। जो कहानी आप पढ़ने जा रहे हैं वह भी ऐसे ही एक दिनांक तथा घटनाक्रम का उल्लेख करती है : अंग्रेजों और जर्मनों के बीच 1914 में हुए एक युद्ध का। क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि यह कौनसा युद्ध था?

क्या आप जानते हैं कि निम्न तारीखें किन घटनाओं की ओर संकेत करती हैं?

(a) 4 जुलाई 1776 (b) 17 दिसम्बर 1903
(c) 6 अगस्त 1945 (d) 30 जनवरी 1948
(e) 12 अप्रेल 1961 (f) 20 जुलाई 1969

उत्तर—(a) अमेरिका द्वारा स्वतन्त्रता की घोषणा।

(b) विलबर व ऑरविले राइट ने प्रथम उड़ान भरी, 12 सेकॅण्ड आकाश में उड़े और 120 फीट की ऊँचाई तक आकाश में गए।

(c) हिरोशिमा दिवस : एक परमाणु बम इस दिन जापान के हिरोशिमा नगर पर गिराया गया था।

(d) महात्मा गाँधी की हत्या।

(e) पृथ्वी की परिक्रमा सबसे पहले करने वाला मानव यूरी ए. गागरिन बना।

(f) नील आर्मस्ट्राँग चन्द्रमा पर पैर रखने वाला प्रथम मानव बना।

कठिन शब्दार्थ एवं हिन्दी अनुवाद

I

I spotted.....on Christmas Eve. (Page 9)

कठिन शब्दार्थ—spotted (स्पॉटिड) = देखा था, **junk shop** (जंक शॉप) = कबाड़ की दुकान, **roll-top desk** (रोल-टॉप डेस्क) = लपेट-सतह वाली मेज, **early nineteenth century** (अर्ली नाइनटीन्थ सेन्चॅरि) = 19वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों की, **oak** (ओक) = शाहबलूत वृक्ष (इसकी लकड़ी सख्त होती है), **far too expensive** (फार टू इक्सपेन्सिव) = बहुत अधिक महंगे, **condition** (कॅनडिशन) = दशा, **roll-top** (रोल टॉप) = लपेट-सतह (सतह जिसे लपेटा जा सके या तह बनाई जा सके), **several** (सेवरॅल) = कई (दो से कुछ अधिक किन्तु बहुत अधिक नहीं), **pieces** (पीसिज) = टुकड़े, **clumsily** (क्लमजिलि) = बेढंग से, **mended** (मेन्डिड) = मरम्मत की गई थी, **scorch marks** (स्कोच मार्क्स) = झुलसने के निशान, **was going for** (वॉज गोइंग फोर) = बिक रहा था, **thought** (थोट) = सोचा, **restore** (रिस्टोर) = व्यक्ति या वस्तु को उसकी पूर्व दशा या स्थिति में लाना (यहाँ अर्थ है ठीक कर लेना), **risk** (रिस्क) = खतरा, **challenge** (चैलिन्ज) = चुनौती, **paid** (पेड) = कीमत चुकाई/भुगतान किया, **brought** (ब्रोट) = ले आया, **workroom** (वर्करूम) = कार्यकक्ष।

हिन्दी अनुवाद—मैंने इस रोल-टॉप डेस्क (घूमने वाले शीर्ष वाली मेज) को ब्रिडपोर्ट में कबाड़ की एक दुकान में देखा था। उस व्यक्ति (कबाड़ी) ने कहा था कि यह 19वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में बनी थी और शाहबलूत वृक्ष

की लकड़ी की थी। मुझे ऐसी एक मेज की आवश्यकता थी किन्तु वे बहुत अधिक महंगी थीं। यह वाली मेज बहुत खराब हालत में थी, इसका रोल-टॉप कई टुकड़ों में था, एक पाये की बेढंग से मरम्मत की हुई थी, इसके एक तरफ झुलसने (जलने) के निशान थे। यह बहुत कम कीमत पर बिक (मिल) रही थी। मैंने सोचा मैं इसे ठीक कर सकता था (अर्थात् इसे ठीक करवा लूँगा)। इसमें एक खतरा भी होगा, एक चुनौती भी होगी, किन्तु मुझे इसे लेना ही था। मैंने उस व्यक्ति को कीमत चुकाई और इसे गैरिज (वाहनकक्ष) के पीछे वाले अपने कार्यकक्ष में ले आया। मैंने क्रिसमस की पूर्व संध्या को उस पर कार्य आरम्भ किया।

I removed.....“December 26, 1914”. (Pages 9-10)

कठिन शब्दार्थ–removed (रिमूव्ड) = हटाया, **completely** (कॅमप्लीटलि) = पूरी तरह से, **pulled out** (पुल्ड आउट) = बाहर निकाला, **drawers** (ड्रोर्स) = दराजों, **veneer** (वॅनिअर) = पृष्ठावरण/परत (सजावट या चमक के लिए फर्निचर पर चिपकाये जाने वाली लकड़ी की पतली-सी परत), **water damage** (वॉटर डैमिज) = पानी से खराब हुई हो, **taken their toll on** (टेकन देअर टॉल ऑन) = नुकसान पहुँचाया, **stuck fast** (स्टक फास्ट) = बुरी तरह अटका था, **tried** (ट्राइड) = प्रयत्न किया, **ease out** (ईज आउट) = धीरे-धीरे बाहर निकालना, **gently** (जेन्टलि) = सौम्यता से, **used** (यूज्ड) = प्रयोग की, **brute force** (ब्रूट फोर्स) = पाशविक शक्ति/पूरी ताकत, **struck** (स्ट्रक) = प्रहार किया, **sharply** (शार्पलि) = तेजी से/बलपूर्वक, **fist** (फिस्ट) = मुट्ठी, **flew open** (फ्लू ओपॅन) = एकाएक खुल गया, **reveal** (रिवील) = दर्शाते हुए, **shallow space** (शैलो स्पेस) = खाली स्थान, **underneath** (अंडरनीथ) = अन्दर नीचे का, **secret** (सीकरॅट) = गुप्त, **took out** (टुक आउट) = बाहर निकाला, **sello-taped** (सेलॅ-टेप्ड) = पारदर्शी टेप से चिपकाया हुआ, **lined notepaper** (लाइन्ड नोटपेपॅर) = लाइनदार पत्र-कागज, **a piece** (अ पीस) = एक पर्ची, **shaky** (शेकि) = काँपती हुई, **handwriting** (हैन्डराइटिंग) = लिखाई, **buried** (बरिड) = दफनाया, **curiosity** (क्युरिऑसॅटि) = जिज्ञासा, **scruples** (स्क्रूपल्ज) = नैतिक संकोच, **unfolded** (अनफोल्डिड) = खोला।

हिन्दी अनुवाद–मैंने रोल-टॉप को पूरी तरह से हटा दिया और दराजों को खींच कर बाहर निकाल दिया। पृष्ठावरण लगभग सभी जगह से उतरा हुआ था—मुझे ऐसा प्रतीत हुआ जैसे कि यह (पृष्ठावरण) पानी से खराब हुआ हो। आग और पानी दोनों ने अपनी-अपनी तरह से उस डेस्क को नुकसान पहुँचाया हुआ था। आखिरी दराज बुरी तरह से अटकी हुई थी। इसे धीरे-धीरे सौम्यता से बाहर निकालने के लिए मैंने वह सब किया जो मैं कर सकता था। अन्त में मैंने पूरी ताकत का प्रयोग किया। मैंने अपनी मुट्ठी के एक तरफ से इस पर ताकत से प्रहार किया और दराज अन्दर नीचे का खाली स्थान दर्शाते हुए एकाएक खुल गया, (यह) एक गुप्त दराज (था)। इसके अन्दर कुछ था। मैंने अन्दर हाथ डाला और एक छोटा काला टिन बॉक्स बाहर निकाला। इस (बॉक्स) पर एक लाइनदार पत्र-कागज की एक पर्ची सेलोटेप से चिपकी थी और इस पर काँपती हुई लिखाई में लिखा था : ''जिम का (यह) अन्तिम पत्र (था), जो 25 जनवरी, 1915 को प्राप्त हुआ था। जब भी समय आये (अर्थात् मेरी मृत्यु के बाद) इस पत्र को मेरे साथ दफनाया जाए।'' मैं जानता था कि मेरे द्वारा बॉक्स का खोला जाना (नैतिक दृष्टि से) गलत था किन्तु मैंने ऐसा किया क्योंकि जिज्ञासा मेरे नैतिक संकोच पर हावी हो गई थी। ऐसा अधिकतर होता है।

बॉक्स के अन्दर एक लिफाफा था। (इस पर) पता इस प्रकार था : ''मिसिज (श्रीमती) जिम मैक्फरसन, 12 कॉपॅर बीचिज, ब्रिडपोर्ट, डोर्सेट।'' मैंने पत्र को बाहर निकाला और इसकी तह खोली। यह पेन्सिल से लिखा गया था और इसके शीर्ष पर दिनांकित था—''26 दिसम्बर, 1914.''

II

Dearest Connie,.....it wasn’t. (Pages 10-11)

कठिन शब्दार्थ–much happier (मच हैपिअर) = अत्यधिक प्रसन्न, **frame of mind** (फ्रेम ऑफ माइन्ड) = चित्त से, **wonderful** (वन्डॅरफुल) = अद्भुत, **happened** (हैपन्ड) = घटित हुआ, **standing to** (स्टॅन्डिंग टु) = पोजिशन लिए हुए थे, **trenches** (ट्रेन्चिज) = बंकर, **crisp** (क्रिस्प) = तीक्ष्ण, **quiet** (क्वाइअट) = शान्त, **all about** (ओल अबाउट) = आसपास सभी जगह, **cold and frosty** (कोल्ड एंड फ्रॉस्टि) = ठंडी व जमा देने वाली, **ashamed** (अशेम्ड) = शर्मिन्दा होना, **waving** (वेविंग) = लहराते हुए, **fritz** (फ्रिट्ज) = एक जर्मन सैनिक का नाम, **Tommy** (टॉमि) = सामान्यत: एक अंग्रेज का नाम, यहाँ ब्रिटिश सैनिकों के लिए प्रयोग किया गया, **got over** (गॉट ओवॅर) = समाप्त हुआ, **shoot** (शूट) = गोली चलाना, **lads** (लैड्ज) = लड़को, **parapet** (पैरॅपिट) = मुंडेर, **trick** (ट्रिक) = चाल।

हिन्दी–कक्षा 8

वसंत : भाग 3

पाठ 1 : लाख की चूड़ियाँ

(कामतानाथ)

कठिन शब्दार्थ–चाव = रुचि, शौक। **सहन** = आँगन। **सलाख** = छड़। **मचिया** = बैठने के लिए छोटी-सी चारपाई। **पैतृक** = पुरखों का। **पेशा** = व्यवसाय। **खपत** = माल की बिक्री। **कुढ़ना** = खीझना। **नाजुक** = कोमल। **खातिर** = आदर। **विरले** = अनोखे, बहुत कम। **खाट** = चारपाई। **भाँप लेना** = अनुमान लगा लेना। **व्यथा** = पीड़ा। **मुखातिब** = देखकर बात करना। **दृष्टि दौड़ाना** = कुछ देखना। **डलिया** = बाँस की टोकरी। **ठिठकना** = रुकना। **फबना** = बहुत अच्छा लगना। **फसली** = मौसमी।

पाठ का सार–'लाख की चूड़ियाँ' कहानी के लेखक कामतानाथ हैं। इस कहानी में मशीनों के बढ़ते प्रयोग के दुष्प्रभाव को दिखाया गया है। लेखक को उसके मामा के गाँव में बदलू सबसे अच्छा लगता था। वह लाख की चूड़ियाँ बनाता था जिन्हें गाँव व आस-पास के गाँवों की लगभग सभी औरतें खरीद कर पहनती थीं। मशीनों के बढ़ते प्रयोग के कारण जहाँ ग्रामीण औरतें अब काँच की चूड़ियाँ पहनने लगी थीं, वहीं बदलू का लाख की चूड़ियाँ बनाने का कुटीर उद्योग बन्द हो जाने से वह बेरोजगार हो गया था। इस कहानी में मशीनी युग का शिकार हुए व्यक्ति बदलू की पीड़ा का मार्मिक वर्णन किया गया है।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न

कहानी से–

प्रश्न 1. बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से क्यों जाता था और बदलू को 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' क्यों कहता था?

उत्तर–बचपन में लेखक गर्मियों की छुट्टियों में अपने मामा के गाँव चाव से इसलिए जाता था कि गाँव में उसका बहुत मन लगता था तथा उसी गाँव में रहने वाले बदलू मनिहार से लाख की बनी रंग-बिरंगी मनमोहक गोलियाँ मिल जाती थीं, जो कि उसे बहुत प्रिय थीं। बदलू लेखक को आदर-सत्कार के साथ स्वादिष्ट आम और दूध की मलाई खिलाता था। साथ ही लाख की एक-दो गोलियाँ बनाकर देता था।

लेखक बदलू को 'बदलू मामा' न कहकर 'बदलू काका' इसलिए कहता था, क्योंकि गाँव के सारे बच्चे उसे 'बदलू काका' कहकर ही पुकारते थे।

प्रश्न 2. वस्तु-विनिमय क्या है? विनिमय की प्रचलित पद्धति क्या है?

उत्तर–आवश्यकता के अनुसार एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति से वस्तु के लेन-देन की प्रक्रिया को वस्तु-विनिमय पद्धति कहा जाता है। यह वस्तु लेन-देन प्रणाली हमारे देश में प्राचीन समय में प्रचलित थी। वर्तमान में विनिमय की प्रचलित पद्धति में बहुत अधिक बदलाव आ गया है। इस पद्धति को जारी रखने के लिए अनेक वस्तुओं का संग्रह करना जहाँ कठिन है, वहीं आवश्यकता के अनुरूप लेने वाले व्यक्ति को खोजना मुश्किल है। इसलिए वर्तमान में वस्तु-विनिमय पद्धति बनाए रखना संभव नहीं है। वर्तमान में विनिमय की प्रचलित पद्धति है, पैसा देकर वस्तु खरीदना।

प्रश्न 3. 'मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं?' इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है?

उत्तर–आज मशीनों से प्रायः हर काम होने लगा है जिसके कारण कुटीर उद्योग-धन्धे बन्द होते जा रहे हैं। गाँव और शहरवासी जिन कुटीर उद्योग-धन्धों के संचालन के माध्यम से अपनी आजीविका चलाते थे, वे सभी उद्योग-धन्धे अब मशीनों से संचालित होने लगे हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि कुटीर उद्योग-धन्धों का संचालन करने वाले हाथ बेकार हो गये हैं। काम-धन्धे बन्द हो जाने के कारण उनके सामने रोजी-रोटी के लाले पड़ गए हैं। कुछ काम कर सकने वाले हाथ अब निष्क्रिय होते जा रहे हैं। अर्थात् 'बेकार की वस्तु' बन कर रह गये हैं। लेखक ने इसी व्यथा की ओर संकेत किया है।

प्रश्न 4. बदलू के मन में ऐसी कौन-सी व्यथा थी जो लेखक से छिपी न रह सकी?

उत्तर–बदलू एक कुशल मनिहार था। उसकी बनाई लाख की चूड़ियाँ सिर्फ अपने गाँव में ही नहीं, बल्कि आस-पास के गाँवों की भी प्राय: सभी औरतें खुश होकर पहनती थीं। किन्तु अब उसके गाँव की महिलाओं ने मशीन से बनने वाली काँच की चूड़ियों को पहनना शुरू कर दिया था, क्योंकि उनमें सुन्दरता और चमक-दमक अपेक्षाकृत अच्छी थी। परिणामस्वरूप उसकी बनी चूड़ियों की माँग कम हो गयी थी इसलिए उसका काम बन्द हो गया था। यह देखकर वह अपने आप में विवश होकर रह गया। उसकी यह मन की व्यथा लेखक से छिपी न रह सकी।

प्रश्न 5. मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव आया?

उत्तर-मशीनी युग से बदलू के जीवन में यह बदलाव आया कि उसके गाँव की महिलाओं ने अब काँच की चूड़ियाँ पहननी शुरू कर दी थीं जिसके कारण उसके द्वारा बनाई जाने वाली लाख की चूड़ियों को अब कोई नहीं पूछता था। परिणामस्वरूप उसका पैतृक धन्धा बन्द हो गया था और धन्धे से होने वाली आय समाप्त हो गयी थी। जिसके कारण वह लाचार, अशक्त और कुंठित हो गया था।

कहानी से आगे–

प्रश्न 1. आपने मेले-बाज़ार आदि में हाथ से बनी चीजों को बिकते देखा होगा। आपके मन में किसी चीज को बनाने की कला सीखने की इच्छा हुई हो और आपने कोई कारीगरी सीखने का प्रयास किया हो तो उसके विषय में लिखिए।

उत्तर–मैंने कई बार मेले-बाजार आदि में हाथ से बनी कई चीजों को बिकते हुए देखा है। जैसे—मिट्टी के खिलौने, हाथ के पंखे, बाँस की छड़ों से बनी टोकरियाँ, कागज की लुगदी से बनी कठपुतलियाँ, कागज और कपड़े की सहायता से बनी चिड़ियाँ आदि। इन सबको देखकर मेरे भी मन में आया कि मैं भी कुछ बनाना सीखूँ। हमारे घर के पास ही मिट्टी के खिलौने बनाने वाला रहता था। मैं मिट्टी के खिलौने बनाने की कला सीखने के लिए उसके पास जाने लगा। उसके द्वारा बनाए जाने वाले खिलौनों को मैंने बड़ी सावधानी से और पास से देखा। देखकर समझ में आया कि मिट्टी के खिलौने बनाने के लिए चिकनी मिट्टी का प्रयोग किया जाता है। खिलौने बनाने वाला पहले मिट्टी को तोड़ता है फिर उसे गीला करता है। गीला करने के बाद उस मिट्टी को आटे की तरह गूँथता है। जब मिट्टी खिलौना बनाने के लिए तैयार हो जाती है तब वह उस मिट्टी को बने साँचों में डाल देता है और उन्हें सूखने रख देता है। सूख जाने पर उन्हें साँचों से अलग कर लेता है। वांछित खिलौने के सूख जाने के बाद उसे आँवे में पका लिया जाता है। इसके बाद उसे रंग कर मूल स्वरूप दे दिया जाता है। इस प्रकार मैंने मिट्टी के खिलौने बनाने की विधि सीखी।

प्रश्न 2. लाख की वस्तुओं का निर्माण भारत के किन-किन राज्यों में होता है? लाख से चूड़ियों के अतिरिक्त क्या-क्या चीजें बनती हैं? ज्ञात कीजिए।

उत्तर-लाख की वस्तुओं का निर्माण भारत के विभिन्न राज्यों में जैसे कर्नाटक, उत्तरप्रदेश, गुजरात, राजस्थान आदि राज्यों में प्रमुख रूप से होता है। लाख से चूड़ियों के अतिरिक्त खिलौने, मूर्तियाँ, चपड़ी आदि बनाई जाती हैं।

अनुमान और कल्पना–

प्रश्न 1. घर में मेहमान के आने पर आप उसका अतिथि-सत्कार कैसे करेंगे?

उत्तर–घर में मेहमान आने पर सबसे पहले मैं उन्हें अभिवादन करूँगा। इसके बाद मैं उनका परिचय जानकर ड्राइंग रूम में बैठाऊँगा। उनसे बात-चीत करूँगा। उनके पूछे जाने पर पिताजी के घर पर होने न होने के बारे में बताऊँगा। इसके साथ ही उन्हें जल लाकर दूँगा। कुछ देर बैठने के बाद उनके लिए अल्पाहार लेकर आऊँगा। इसके बाद उनके आने के उद्देश्य के बारे में पूछूँगा। यदि उनकी मुझसे मदद हो सकती है, तो मैं अवश्य करूँगा अन्यथा पिताजी के आने का इंतजार करने के लिए उनसे विनम्रतापूर्वक कहूँगा। यदि वे बैठना चाहेंगे तो ठीक है, नहीं तो उन्हें घर के दरवाजे तक छोड़कर उन्हें अभिवादन करके 'फिर पधारना' कहकर वापस आ जाऊँगा।

प्रश्न 2. आपको छुट्टियों में किसके घर जाना सबसे अच्छा लगता है? वहाँ की दिनचर्या अलग कैसे होती है? लिखिए।

उत्तर-छुट्टियों में मुझे अपने मामा के घर जाना सबसे अच्छा लगता है; क्योंकि मामा-मामी का सहज स्नेह जहाँ मुझे उस घर की ओर खींचने लगता है, वहीं उनके गाँव का वातावरण, हरे-भरे खेत, फसलें, फलों से लदे आम के पेड़, प्रात:कालीन वातावरण में कलरव करते हुए पक्षी, बहती हुई नदी, उसमें किल्लोल करते हुए पशु-पक्षी मेरे मन को सहज ही आकर्षित कर लेते हैं।

वहाँ की दिनचर्या–मामा के घर पहुँचते ही मैं उनकी स्नेहिल दुनिया में डूब जाता हूँ। देर रात तक मामा-मामी से बतियाना और सुबह जल्दी उठकर उनके बच्चों के साथ बाग-बगीचों में घूमने जाना, पेड़-पौधों को निहारना, प्रात:कालीन वातावरण का आनन्द लेना, आम तोड़कर खाना और खिलाना, कुछ समय तक खेलना फिर घर आकर आपस में बातें करते हुए नहाना-धोना, जलपान करना, जरूरत अनुसार पास के बाजार से सामान लाना, खाना खाना आदि दोपहर पूर्व की दैनिक क्रियाएँ रहतीं। दोपहरी में गर्मी के कारण घर में ही रहकर

संस्कृत–कक्षा-8

रुचिरा (तृतीयो भागः)

मङ्गलम्

(1)

यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं
तदु सुप्तस्य तथैवैति।
दूरंगमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं
तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु ॥ 1॥ —**शुक्लयजुर्वेदः (34.1)**

हिन्दी अनुवाद/भावार्थ–जागते हुए का जो यह आत्मस्वरूप मन दूर तक जाता है, उसी प्रकार सोते हुए व्यक्ति का वही (मन दूर तक) जाता है। (वह मन) दूर तक जाने वाला एवं प्रकाशक इन्द्रियों (तेजसमूह) का एकमात्र प्रवर्तक है। वह मेरा मन शुभ विचारों वाला होवे।

(2)

सुषारथिरश्वानिव यन्मनुष्या-
न्नेनीयतेऽभीशुभिर्वाजिन इव।
हृत्प्रतिष्ठं यदजिरं जविष्ठं
तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु ॥ 2॥ —**शुक्लयजुर्वेदः (34.6)**

हिन्दी अनुवाद/भावार्थ–जिस प्रकार श्रेष्ठ सारथि घोड़ों को इधर-उधर ले जाता है और लगामों के द्वारा घोड़ों को नियन्त्रित करता है, उसी प्रकार जो मन मनुष्यों को इधर-उधर ले जाता है, वह हृदय में स्थित, जरा रहित और वेगवान मेरा मन शुभ विचारों वाला होवे।

हिन्दी रूपान्तर

जो रहता है जाग्रत और दूर-दूर तक जाता है,
सोया रह कर भी ऐसे ही जा कर वापस आता है।
दूर-दूर वह जाने वाला सब तेजों का ज्योतिनिधान
सदा समन्वित शुभसङ्कल्पों से वह मन मेरा बने महान्॥ 1॥

जो जन-जन को बागडोर से इधर-उधर ले जाता है,
चतुर सारथी ज्यों घोड़ों को इच्छित चाल चलाता है।
सदा प्रतिष्ठित हृदयदेश में अजर और अतिशय गतिमान्
सदा समन्वित शुभसङ्कल्पों से वह मन मेरा बने महान्॥ 2॥

प्रथमः पाठः सुभाषितानि

पाठ-परिचय–'सुभाषित' शब्द 'सु + भाषित' इन दो शब्दों के मेल से सम्पन्न होता है। सु का अर्थ सुन्दर, मधुर तथा भाषित का अर्थ वचन है। इस तरह सुभाषित का अर्थ सुन्दर/मधुर वचन है। प्रस्तुत पाठ में सूक्तिमञ्जरी, नीतिशतकम्, मनुस्मृतिः, शिशुपालवधम्, पञ्चतन्त्रम् से रोचक और विचारपरक श्लोकों को संगृहीत किया गया है।

पाठ के श्लोकों का अन्वय, कठिन-शब्दार्थ एवं हिन्दी-भावार्थ–

गुणा गुणज्ञेषु ..... समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेयाः॥ 1॥

अन्वयः–गुणाः गुणज्ञेषु गुणाः भवन्ति, ते (गुणाः) निर्गुणं प्राप्य दोषाः भवन्ति। (यथा) नद्यः सुस्वादुतोयाः प्रभवन्ति, समुद्रम् आसाद्य (ताः) अपेयाः भवन्ति।

कठिन-शब्दार्थ–गुणज्ञेषु = गुणवानों में। **प्राप्य** = प्राप्त करके। **सुस्वादुतोयाः** = स्वादिष्ट जल वाली। **प्रभवन्ति** = उत्पन्न होती हैं। **समुद्रम् आसाद्य** = समुद्र में मिलकर।

हिन्दी-भावार्थ–प्रस्तुत श्लोक में गुणवान् के महत्त्व को बताते हुए कहा गया है कि जिस प्रकार उत्पन्न होते समय नदी का जल मीठा एवं पीने योग्य होता है किन्तु समुद्र में मिलने पर वही जल खारा एवं पीने योग्य नहीं होता है, उसी प्रकार गुण भी गुणवान् में ही सद्गुण के रूप में रहते हैं किन्तु वे ही गुण गुणहीन व्यक्ति को प्राप्त करके दोष बन जाते हैं। इससे सिद्ध होता है कि संगति के अनुसार ही गुण-दोष बनते हैं।

साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः ..... परमं पशूनाम्॥ 2॥

अन्वयः–साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः (जनः) पुच्छविषाणहीनः साक्षात् पशुः (भवति)। तृणं न खादन् अपि जीवमानः, तद् पशूनां परमं भागधेयम्।

कठिन-शब्दार्थ–पुच्छविषाणहीनः = पूँछ और सींग के बिना। **तृणं** = घास। **खादन् अपि** = खाते हुए भी। **जीवमानः** = जिन्दा रहता हुआ। **भागधेयम्** = सौभाग्य है।

हिन्दी-भावार्थ–प्रस्तुत पद्य में विद्या के महत्त्व को बताते हुए कहा गया है कि साहित्य, संगीत और कला से रहित मनुष्य पूँछ और सींग से रहित साक्षात् पशु है। घास न खाते हुए भी वह (मनुष्य) जीवित है, यह पशुओं का परम सौभाग्य है। अर्थात् यदि मनुष्य घास भी खाने लगे तो पशुओं को घास भी खाने को प्राप्त नहीं होगी।

लुब्धस्य नश्यति यशः ..... प्रमत्तसचिवस्य नराधिपस्य॥ 3॥

अन्वयः–लुब्धस्य यशः नश्यति, पिशुनस्य मैत्री, नष्टक्रियस्य कुलम्, अर्थपरस्य धर्मः, व्यसनिनः विद्याफलम्, कृपणस्य सौख्यम्, (तथा च) प्रमत्तसचिवस्य नराधिपस्य राज्यम् (नश्यति)।

कठिन-शब्दार्थ–लुब्धस्य = लोभी का। **पिशुनस्य** = चुगलखोर की। **नष्टक्रियस्य** = नष्ट क्रिया वाले का। **अर्थपरस्य** = धन-परायण का। **व्यसनिनः** = बुरी लत वालों की। **कृपणस्य** = कंजूस का। **सौख्यम्** = सुख। **नश्यति** = नष्ट हो जाता है।

हिन्दी-भावार्थ–प्रस्तुत श्लोक में अनेक प्रकार के दुर्गुणों को त्यागने की प्रेरणा देते हुए तथा उन दुर्गुणों के दुष्परिणाम का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि लोभी व्यक्ति का यश, चुगलखोर की मित्रता, कर्महीन (निकम्मे) का कुल, केवल धन के लालची (स्वार्थी) का धर्म, व्यसनी का विद्या-फल, कंजूस का सुख तथा अभिमानी मन्त्रियों वाले राजा का राज्य नष्ट हो जाता है। अतः इन दुर्गुणों को त्याग देना चाहिए।

पीत्वा रसं तु ..... मधुरसूक्तरसं सृजन्ति॥ 4॥

अन्वयः–असौ मधुमक्षिका कटुकं मधुरं तु रसं समानं पीत्वा माधुर्यमेव जनयेत्। तथैव सन्तः सज्जनदुर्जनानां वचः समं श्रुत्वा मधुरसूक्तरसं सृजन्ति।

कठिन-शब्दार्थ–मधुमक्षिका = मधुमक्खी। **कटुकं** = कड़वा। **पीत्वा** = पीकर। **जनयेत्** = पैदा करती/निर्माण करती है। **तथैव** = वैसे ही। **सन्तः** = सज्जन। **सृजन्ति** = निर्माण करते हैं।

हिन्दी-भावार्थ–प्रस्तुत श्लोक में सज्जनों की महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है कि जिस प्रकार मधुमक्खी कड़वे एवं मीठे दोनों प्रकार के रस का पान करके भी केवल मधुरता (शहद) को ही प्रदान करती है, उसी प्रकार सज्जन लोग सज्जनों एवं दुर्जनों के वचनों को समान रूप से ग्रहण करके भी केवल मधुर सूक्त-वचन की ही रचना करते हैं अर्थात् मधुर वचन ही बोलते हैं।

Science—Class 8

1. Crop Production and Management

Summary of Chapter—1. Energy obtained from food is utilized by organisms for carrying out different living activities. We get food from plants, or animals, or both. In order to provide food to our growing population, we need to adopt certain agricultural practices.

2. Plants of the same kind are grown and cultivated at one place, on a large scale, is called **crop.** In India, crops can be broadly categorised into two types based on seasons—Rabi and Kharif crops.

3. Farmer has to do the following activities for growing a crop : (i) Preparation of soil, (ii) Sowing, (iii) Adding manure and fertilisers, (iv) Irrigation, (v) Protecting from weeds, (vi) Harvesting, (vii) Storage.

4. Before cultivation various agriculture tools are used for preparation of soil.

5. After selecting good quality of seeds, they are sown at uniformly at equal distances and depths. This work is done by seed drill.

6. Manure and fertilisers are added to maintain the nutrient level of the soil.

7. Use of chemical fertilisers has increased tremendously with the introduction of new crop varities.

8. Timely irrigation in the field increases the production. For this sprinkler and drip systems are used.

9. The removal of weeds is called weeding. The cutting of crops after it is mature is called harvesting. Harvesting in our country is either done manually by sickle or by a machine called harvester.

10. Separation of grains from the chaff is called threshing.

11. Proper storage of grains is necessary to protect them from pests and micro organisms.

12. Food is also obtained from animals for which animals are reared. This is called animal husbandry.

Questions in Text

Page 1

Q. 1. Boojho want to know where and how we use these tools.

Ans. We use *khurpi*, shovel, plough tools etc. in the field for agricultural work.

Khurpi—With the help of *khurpi* we prepare beds, dig soils and remove weeds.

Sickle—With the help of sickle we harvest the crop.

Shovel—It is used for filling soil, food grains, etc. in the baskets.

Plough—It is used for tilling, adding manure/ fertilisers and scraping of soils.

Q. 2. Since we all need food, how can we provide food to a large number of people in our country?

Ans. We can provide food for the large population on a large scale by regular production, proper managment and distribution.

Page 2

Q. 3. Why paddy can not be grown in the winter season?

Ans. Paddy requires plenty of water. So it can not be grown in the winter season. It is grown in the rainy season.

Page 4

Q. 4. One day I saw my mother put some gram seeds in a vessel and pour some water on them. After a few minutes some seeds started to float on top. I wonder why some seeds float on water!

Ans. Some damaged seeds become hollow and

are thus lighter. Therefore, they float on the water.

Page 5

Q. 5. There is a nursery near my school. I found that little plants were kept in small bags. Why are they kept like this?

Ans. Seeds of a few plants such as paddy are first grown in a nursery. When they grow into seedlings, they are transplanted is the field manually. Some forest plants and flowering plants are also grown in the nursery.

Q. 6. I saw a healthy crop growing in a farm. In the neighbouring farm, the plants were weak. Why do some plants grow better than others?

Ans. Those plants which get water, minerals, manure and fertilisers in sufficient quantity, grow better in comparision to those plants which do not get these substances in sufficient quantity.

Page 10

Q. 7. Have these other plants been planted purposely?

Ans. No, these other plants do not grow with crop with a special object. These are undesirable plants which grow naturally along with the crop. They are called weeds.

Q. 8. Do weedicides have any effect on the person handling the weedicide sprayer?

Ans. Yes, weedicides can have an effect on the health of the person spraying it. These are the toxic chemicals. Hence he should cover his nose and mouth with a piece of cloth during spray of the chemicals.

Page 11

Q. 9. I saw my mother putting some dried neem leaves in an iron drum containing wheat. I wonder why?

Ans. Dried neem leaves are kept in an iron drum containing grains to keep them safe from pests.

Textual Questions

Q. 1. Select the correct word from the following list and fill in the blanks.

float, water, crop, nutrients, preparation

(a) The same kind of plants grown and cultivated on a large scale at a place is called ..... .

(b) The first step before growing crops is ..... of the soil.

(c) Damaged seeds would ..... on top of water.

(d) For growing a crop, sufficient sunlight and ..... and ..... from the soil are essential.

Ans. (a) crop (b) preparation (c) float (d) nutrients, water.

Q. 2. Match items in column A with those in column B.

A	B
(i) Kharif crops	(a) Food for cattle
(ii) Rabi crops	(b) Urea and super phosphate
(iii) Chemical fertilisers	(c) Animal excreta, cow dung, urine and plant waste
(iv) Organic manure	(d) Wheat, gram, pea
	(e) Paddy and maize

Ans. (i) e (ii) d (iii) b (iv) c

Q. 3. Give two examples of each.
(a) Kharif crop (b) Rabi crop.

Ans. (a) Kharif crop—(i) Paddy (ii) Maize.
(b) Rabi crop—(i) Wheat (ii) Gram.

Q. 4. Write a paragraph in your own words on each of the following.
(a) Preparation of soil (b) Sowing
(c) Weeding (d) Threshing

Ans. (a) Preparation of soil—Before growing crop the soil is prepeared. For this purpose it is important to turn the soil and loosen it. This allows the roots to penetrate deep into the soil. This process is called **tilling** or **ploughing**. This is done by ploughing. The crop plant roots obtain sufficient amount of oxygen from air

Maths—Class 8

1. Rational Numbers

Summary of the Chapter

1. **Natural Numbers**—The counting numbers 1, 2, 3, ... are called natural numbers.
2. **Whole Numbers**—All natural numbers together with 0, i.e. 0, 1, 2, 3, ... are called whole numbers.
3. **Integers**—The whole numbers together with the negative of counting numbers are known as integers. i.e.
   ..... – 3, – 2, – 1, 0, 1, 2, 3, ...
4. **Rational Numbers**—Rational number is the quotient of two integers provided the denominator is a non zero integer. i.e.

   Rational number = $\frac{p}{q}$, where p and q are integers and $q \neq 0$.
5. Rational numbers are closed under addition, subtraction and multiplication. Rational numbers are not closed under division.
6. Commutative property of addition and multiplication for any rational numbers are true i.e. $a + b = b + a$ and $a \times b = b \times a$ for any two rational numbers a and b.
7. Associativity—If a, b and c are three rational numbers, then
   $a + (b + c) = (a + b) + c$ (Associative Property of Addition)
   $a \times (b \times c) = (a \times b) \times c$ (Associative Property of Multiplication).
8. Subtraction and division are not commutative and associative for rational numbers. If a, b and c are three rational numbers, then
   (i) $a - (b - c) \neq (a - b) - c$
   (ii) $a \div (b \div c) \neq (a \div b) \div c$
9. Zero is called the identity for the addition of rational numbers. It is the additive identity for rational numbers.
   $a + 0 = 0 + a = a$ for any rational number.
10. 1 is the multiplicative identity for rational numbers.
    $1 \times a = a \times 1 = a$, for any rational number a.
11. For all rational numbers a, b and c
    (i) $a (b + c) = ab + ac$ (ii) $a (b - c) = ab - ac$
    This is called distributivity of multiplication over addition and subtraction.
12. Between any two given rational numbers there are countless rational numbers. The idea of mean helps us to find rational numbers between two rational numbers.

QUESTION FROM CHAPTER

Page 2

Question 1. Check for closure property under all the four operations for natural numbers.

Ans. (1) Addition—Natural numbers are closed under addition. i.e. If a and b are two natural numbers then $a + b$ is also a natural number.

Verification by Example—

Natural Number (a)	Natural Number (b)	Addition ($a + b$)	($a + b$) is a Natural number or not
3	2	3 + 2 = 5	Yes
9	7	9 + 7 = 16	Yes
11	13	11 + 13 = 24	Yes
25	28	25 + 28 = 53	Yes

(2) Subtraction—Natural numbers are not closed under subtraction. If a and b are two natural numbers and $a > b$ then $a - b$ is a natural number. But if $a < b$ or $a = b$, then $(a - b)$ is not a natural number.

Verification by Example—

Natural Number (a)	Natural Number (b)	Subtraction ($a - b$)	($a - b$) is a Natural number or not
3	2	3 − 2 = 1	Yes
9	7	9 − 7 = 2	Yes
11	11	11 − 11 = 0	No
25	28	25 − 28 = −3	No

(3) Multiplication—Natural numbers are closed under multiplication. If a and b are two natural numbers, then their product is also a natural number.

Verification by Example—

Natural Number (a)	Natural Number (b)	Multiplication ($a \times b$)	($a \times b$) is a Natural number or not
3	2	3 × 2 = 6	Yes
9	7	9 × 7 = 63	Yes
11	13	11 × 13 = 143	Yes
28	1	28 × 1 = 28	Yes

(4) Division—Natural numbers are not closed under division.

Verification by Example—

Natural Number (a)	Natural Number (b)	Division ($a \div b$)	($a \div b$) is a natural number or not
3	3	3 ÷ 3 = 1	Yes
9	3	9 ÷ 3 = 3	Yes
11	3	11 ÷ 3 = ?	No
3	12	3 ÷ 12 = ?	No

Page 4 **TRY THESE**

Question—Fill in the blanks in the following table—

Numbers	Closed Under			
	addition	Subtraction	multiplication	division
Rational Numbers	Yes	Yes	.....	No
Integers	.....	Yes	.....	No
Whole Numbers	.....	.....	Yes	.....
Natural Numbers	.....	No	.....	.....

Solution—

Numbers	Closed Under			
	addition	subtraction	multiplication	division
Rational Numbers	Yes	Yes	Yes	No
Integers	Yes	Yes	Yes	No
Whole Numbers	Yes	No	Yes	No
Natural Numbers	Yes	No	Yes	No

Commutativity

Question 1. Recall the commutativity of different operations for whole numbers by filling the following table—

Operation	Numbers	Remarks
Addition	0 + 7 = 7 + 0 = 7 2 + 3 = ... + ... = ... For any two whole numbers a and b, $a + b = b + a$	Addition is commutative.
Subtraction	.....	Subtraction is not commutative.
Multiplication	.....	Multiplication is commutative
Divison	.....	Division is not commutative.

Social Science—Class 8

OUR PASTS-III (HISTORY)

Chapter 1. Introduction : How, When and Where

Summary

1. Sometimes it is actually incorrect to fix precise dates to processes that happen over a period of time.
2. There was a time when history was an account of battles and big events. Now historians write about a host of other issues, and other questions.
3. In 1817, James Mill, a Scottish economist and political philosopher, published a massive three volume work, 'A History of British India'. In this he divided Indian history into three periods—Hindu, Muslim and British.
4. Under British rule people did not have equality, freedom or liberty. Nor was the period one of economic growth and progress. Many historians, therefore, refer to this period as 'colonial'.
5. For historians, one important source is the official records of the British administration.
6. Calligraphists are specialised in the art of beautiful writing.
7. Under the colonial administration, the practice of surveying also became common. Many types of surveys were done.
8. The official records do not always help us understand what other people in the country felt, and what lay behind their actions. For that, diaries of people, accounts of pilgrims and travellers, autobiographies and newspapers were important.

In Text Questions

Activity (Page-1)

Q. Look carefully at Fig. 1 and write a paragraph explaining how this image projects an imperial perception.

Ans. The above picture is from 'A New Map of HINDOOSTAN' by James Rennel published in 1782. This shows three Brahmans handing over the Shastras to Britannia for safe-keeping. The picture here tries to suggest that Indians willingly gave over their ancient texts to Britannia–the symbol of British power–as if asking her to become the protector of Indian culture. The lion statue at the back symbolises the superiority of the Britishers over the Indians. The image gives a perception of how britishers portrayed themselves as the protectors of Indian culture and would safeguard their subjects as Great Rulers.

Activity (Page-7)

Q. Look at sources 1 and 2. Do you find any difference in the nature of reporting? Explain what you observed.

Ans. We see a fundamental difference in the nature of both types of reports. Nature of both types of reports are different. While the report of source 1 has been sent by the government employees to the Home Department, source 2 has the report given by the newspaper. The source 1 report describes the actions taken against the rebels. This report also does not explain the reasons because of which such situation came. It does not highlights the side of the rebels. On the other hand, source 2 report is an example of unbiased reporting by media. It describes why the police had called the strike,

where and how the strike took place. Therefore, this report is more realistic. This highlights the government's tendency against humanism.

Let's imagine (Page-8)

Q. Imagine that you are a historian wanting to find about how agriculture changed in a remote tribal area after independence. List the different ways in which you would find information on this.

Ans. The different ways to find agriculture changes in a remote tribal areas are as follows—
(1) Collect information from the office of the collector, tehsildar, etc. of the concerned area.
(2) Collect information from the magazine and newspaper, etc.
(3) Collect information from the agriculture department of the concerned state.
(4) Visiting the area itself and observing farmers and gathering information through interviews.

Text Book Questions

Let's Recall

Q. 1. State whether true or false—
(a) James Mill divided Indian history into three periods—Hindu, Muslim, Christian.
(b) Official documents help us understand what the people of the country think.
(c) The British thought surveys were important for effective administration.

Ans. (a) False [**Explaination**—James Mill has divided judian history into three periods—Hindu, Muslim and British.] (b) False (c) True

Let's Discuss

Q. 2. What is the problem with the periodisation of Indian history that James Mill offers?

Ans. James Mill divided Indian history into three periods—Hindu, Muslim and British. According to him, before the British came to India, Hindu and Muslim despots ruled the country. There are many problems with the periodisation of Indian history by James Mill, which are as follows—
(1) The division of period by James Mill was based on religion which is not fair.
(2) He considered the Hindu and Muslim period was full of religious hatred, caste-based bondage and superstitions and regarded the British rule as a symbol of progress and civilization.
(3) No phase of history can be called a 'Hindu' or 'Muslim' period. In all the periods religion existed simultaneously.
(4) Even the rulers of ancient India did not share the same religion.
(5) The basis of this periodisation was far from reality. Its purpose was to divide the people.

Q. 3. Why did the British perserve official documents?

Ans. For Britishers, the act of writing was important. The Britishers believed that by preserving official documents it would be easier for them to know about the past decisions. Once this was done, things could be properly studied and debated. Moreover, the preserved documents reveal the progress made by the country in the past.

Q. 4. How will the information of the historians got from the old newspapers be different from that of found in police reports?

Ans. The main difference between them is fairness. The newspaper reports are not generally false. These reports give accurate details of the incidents. They provide an accurate, detailed and unbiased account of events. On the other hand, the information available in police reports is likely to be biased. Often these reports are written under pressure or to appease senior officials. In these reports, the investigating officer can also personally show bias. Therefore, if the history is based only on the information available from police reports, it is possible that wrong history may be presented.

Other Important Questions

Multiple Choice Questions—

1. The first Governor-General of India was—
(a) Robert Clive (b) Warren Hastings
(c) Dalhousie (d) Wallesley ( )

2. The last Viceroy of India was—
(a) Lord Mountbatten (b) Lord Curzon